



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 129]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 29, 1996/चैत्र 9, 1918

No. 129]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 29, 1996/CHAITRA 9, 1918

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

अनुसूची

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 मार्च 1996

सा.का.नि. 157(अ).—केन्द्र सरकार, महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कोचिन पत्तन न्यासी मंडल द्वारा बनाए गए और इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में कोचिन पत्तन न्यास कर्मचारी (भर्ती, वरिष्ठता एवं पदोन्नति) संशोधन विनियम, 1996 का अनुमोदन करती है।

2. उक्त विनियम इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

[फा. सं. पी.आर.-12012/10/95-पी.ई.-I]
के. आर. भाटी, संयुक्त सचिव

महा पत्तन न्यास अधिनियम 1963 (1963 का 38) की धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कोचिन पोर्ट ट्रस्ट एतद्वारा कोचिन पोर्ट कर्मचारी (भर्ती, वरिष्ठता एवं प्रोन्नति विनियम 1964 में संशोधन के लिए केन्द्र सरकार के अनुमोदन के शर्त पर निम्न विनियम बनाती है।

1. (क) इन विनियमों का नाम कोचिन पोर्ट कर्मचारी (भर्ती, वरिष्ठता तथा प्रोन्नति) संशोधन विनियम 1996 है।

(ख) केन्द्र सरकार के अनुमोदन के साथ राजपत्र में प्रकाशित की तारीख को ये प्रवृत्त होंगे।

2. कोचिन पोर्ट कर्मचारी (भर्ती वरिष्ठता एवं प्रोन्नति) विनियम 1964 (इसके आगे उक्त विनियम से अभिप्रेत है) में

1. विनियम (3) में उप-विनियम (4) में "मौलिक शक्तियों" का शब्द काट दिया जाए

2. विनियम (3) में उप विनियम (इ) के नीचे निम्न परिभाषा जोड़ दिया जाय तथा उसी को उप विनियम (ह) मान लिया जाय।

(ह) “पूर्वग्रहणाधिकार” से तात्पर्य है एक कर्मचारी चाहे स्थायी हो या अस्थायी, अनुपस्थिति के तुरन्त या समाप्ति पर उसी नियमित पद धारण करने का हक/दावा है।

1. उक्त विनियम के विनियम (8) के उप विनियम (3) के स्थान पर निम्न लिखित जोड़ दिया जाए।

(3) “परिबीक्षा की अवधि में कर्मचारी इस प्रकार के प्रशिक्षण प्राप्त किया जाय तथा परीक्षा पास किया जाय जो नियुक्ति/पदोन्नति/तबादला के आदेश में तथा प्रसंग उल्लिखित हो।

उक्त विनियम के विनियम 9 के प्रावधान के लिए निर्मलखित प्रावधान प्रतिस्थापित किया जाए तथा उसी को विनियम 9 के उप विनियम (1), (2), (3), (4) एवं (5) पढ़ा जाए।

(1) एक कर्मचारी की सेवा में पृष्ठि केवल एक ही बार किया जायेगा तथा वही प्रविष्टि ग्रेड में।

(2) जब एक कर्मचारी किसी भी ग्रेड या पद में प्राथमिक रूप से नियुक्त किया जाए तथा निर्धारित परीक्षा पास किया जाए तथा उसकी परिबीक्षा नियोजता की इच्छा पर संतोषजनक पूरा किया जाय तो, उस पद या ग्रेड में स्थायी रिक्ति की लभ्यता को देखे बिना उसी ग्रेड या पद में उसकी पृष्ठि किया जाएगा।

वर्णन कि मामला सभी पहलुओं से साफ तथा कर्मचारी की पृष्ठि के लिए विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा सिफारिश किया जाता है।

(3) पृष्ठि के विशेष आदेश नियोजता द्वारा जारी किया जाए।

(4) जब एक कर्मचारी को परिबीक्षा में किसी ग्रेड या पद से पदोन्नति किया जाय, परिबीक्षा की निर्धारित अवधि नियोजता की इच्छा पर पूर्ति की जाय तो नियोजता एक आदेश पारित किया जाय कि संबंधित व्यक्ति परिबीक्षा संतोषजनक पूरा की है तथा परिबीक्षा से जिस पद पर पदोन्नत किया गया हो उसी ग्रेड या पद धारण के लिए से वह योग्य है।

(5) क. एक कर्मचारी को सीधा अर्ती द्वारा नियुक्त पद या ग्रेड में परिबीक्षा की पृष्ठि होने तक या विनियम (10) के अधीन इतने तक परिबीक्षा की स्थिति जारी करने पड़ेगा।

(ख) एक कर्मचारी की परिबीक्षा में एक ग्रेड या पद में पदोन्नति दी जाय, इस विनियम के अधीन परिबीक्षा संतोषजनक पूरा की जाने तक या विनियम

(10) के अधीन प्रत्यावर्तन की जाय तो उन्हें परिबीक्षा के अधीन की स्थिति जारी करना पड़ेगा।

5. उक्त विनियम में विनियम 9 के बाद निम्न विनियम 9क के रूप में जोड़ दिया जाय।

9. (क) पूर्वग्रहणाधिकार: एक ग्रेड में पूर्वग्रहणाधिकार का लाभ सभी कर्मचारियों को प्राप्त होगा जिन्हें प्रवेश ग्रेड में पृष्ठि प्राप्त हो या जिन्हें उच्च पद में पदोन्नति प्राप्त हो तथा जहाँ लागू हो परिबीक्षा की पूर्ति की घोषणा प्राप्त हो।

(2) किसी भी समय पर पूर्वग्रहणाधिकार प्राप्त व्यक्तियों की संख्या उस ग्रेड के पदों की संख्या से ज्यादा है तो ग्रेड में सबसे कनिष्ठ व्यक्ति को निम्न ग्रेड में प्रत्यावर्तन किया जाएगा।

(3) यदि कोई व्यक्ति जिसकी पृष्ठि हुई है या जिसकी उच्च पद की परिबीक्षा पूर्ति ई, प्रतिनियुक्ति से प्रत्यावर्तित किया जाएगा तथा यदि उन्हें उस पद में जारी करने के लिए कोई रिक्ति नहीं है, सबसे कनिष्ठ व्यक्ति को प्रत्यावर्तित किया जाएगा। यदि यह कर्मचारी सबसे कनिष्ठ होता है तो उसे किस ग्रेड से पहले पदोन्नति किया या, उससे निम्नतम ग्रेड में प्रत्यावर्तित किया जाय।

6. विनियम 11 में उप विनियम (क) को काट दिया जाय।

(क) उक्त विनियम उप विनियम (ख) (ग) तथा (घ) को उप विनियम (क), (ख) तथा (ग) के रूप में पुर्ननामित किया जाय।

(ख) उक्त विनियम के पुर्ननामित उप विनियम (क) में “अस्थायी कर्मचारी” शीर्षक काट दिया जाय।

पाद टिप्पणी: मुख्य विनियम सरकारी राजपत्र के दि.

29-2-1964 के जी.एस.आर. सं. 314 में प्रकाशित किया था। इन विनियमों का बाद में संशोधन:

1. दि. 8-10-1977 के जी. एस.आर. सं. 1343
2. दि. 23-9-1978 के जी.एस.आर. सं. 1169
3. दि. 2-7-1986 के जी.एस.आर. सं. 929 (ई)
4. दि. 31-8-1989 के जी.एस.आर. सं. 799 (ई)
5. दि. 2-4-92 के जी.एस. आर. सं. 397 (ई)
6. दि. 5-8-1992 के जी.एस. आर. सं. 716 (ई)
7. दि. 30-3-1993 के जी.एस. आर. सं. 347 (ई)
8. दि. 3-2-1994 के जी.एस.आर. सं. 58 (ई)
9. दि. 15-3-95 के जी.एस.आर. सं. 135 (ई)

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th March, 1996

G.S.R. 157(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 124, read with Sub-section (1) of Section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Cochin Port Employees (Recruitment, Seniority and Promotion) Amendment Regulations, 1996 made by the Board of Trustees for the Port of Cochin and set out in the Schedule annexed to this Notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[No. PR-12012/10/95-PE. I]

K. R. BHATI, Jt. Secy.

SCHEDULE

In exercise of the powers conferred by section 28 of the Major Port Trust Act, 1963 (38 of 1963) the Cochin Port Trust hereby makes the following Regulations to amend the C.P.E. (RS & P) Regulations 1964, subject to the approval of the Central Government.

I. (a) These Regulations may be called the Cochin Port Employees (RS & P) Amendment Regulations, 1996.

(b) They shall come into effect from the date on which Central Government's approval thereto is published in the Official Gazette.

II. In the Cochin Port Employees (RS & P) Regulations, 1964 (herein after called the said Regulations :

(i) In Regulation 3, sub-regulation (j) the words "to a substantive vacancy" shall be deleted.

(ii) In Regulation 3, below sub-regulation (m) the following definition shall be added and the same shall be read as sub-regulation (n).

(n) "LIEN" means the right/title of an employee to hold a regular post, whether permanent or temporary; either immediately or on the termination, of periods of absence.

III. In place of Sub-regulation (3) of Regulation (8) of the said Regulation, the following shall be incorporated.

(3) "During the period of probation the employee will be required to undergo such training and pass such tests specifically stipulated in the order of appointment/promotion/transfer, as the case may be."

IV. For the provision in Regulation 9 of the said Regulation, the following provisions shall be substituted and the same shall be read as sub-regulation (1), (2), (3), (4) and (5) of Regulation 9.

(1) Confirmation shall be made only once in the service of an employee and the same will be in the entry grade.

(2) When an employee initially appointed on probation to any grade or post has passed the prescribed tests, if any, and has completed his probation to the satisfaction of the appointing authority, he shall be confirmed in that grade or post, irrespective of the availability of permanent vacancy in the grade or post.

Provided that the case is cleared from all angles and is recommended by departmental promotion committee for confirmation of the employee.

(3) A specific order of confirmation shall be issued by the appointing authority.

(4) When an employee, promoted on probation to any grade or post has completed the prescribed period of probation to the satisfaction of the appointing authority, the appointing authority shall pass an order declaring that the person concerned has successfully completed the probation and he is fit to hold the higher grade or post to which he was promoted on probation.

(5) (a) Until an employee appointed to a grade or post on probation by direct recruitment is confirmed or is discharged under Regulation (10), he shall continue to have the status of an employee on probation.

(b) Until an employee promoted to a grade or post on probation, is declared as having successfully completed the probation under this Regulation or is reverted under Regulation 10, he shall continue to have the status of an employee on probation.

V. In the said Regulation, after Regulation 9, the following Regulation shall be inserted as 9A :

9A. (1) "Lien" The benefit of having a lien in a grade will be enjoyed by all employees who are confirmed in the grade of entry or who have been promoted to a higher post and declared as having completed the probation where applicable.

(2) However, junior most person in the grade will be liable to be reverted to the lower grade if at any time the number of persons so entitled to lien is more than the posts available in that grade.

(3) If a person who is confirmed or whose probation in a higher post has been declared as having been completed reverts from deputation and if there is no vacancy in that grade to accommodate him, the junior most person will be reverted. If, however, this employee is the junior most he will be reverted to the next lower grade from which he was earlier promoted.

VI. In Regulation 11, Sub-regulation (a) shall be deleted :

(a) Sub-regulation (b), (c) and (d) of the said regulation shall be renamed as sub-regulation (a), (b) and (c).

(b) In renamed sub-regulation (a) of the said regulation the heading "Temporary Employees" shall be deleted.

Foot Note :

The principal Regulations were published in the Gazette of India vide GSR No. 314 dated 29th February, 1964 and subsequently amended vide :

1. GSR No. 1343 dated 8-10-77
2. GSR No. 1169 dated 23-9-1978
3. GSR No. 929(E) dated 2-7-1986
4. GSR No. 799(E) dated 31-8-89
5. GSR No. 397(E) dated 2-4-92
6. GSR No. 716(E) dated 5-8-92
7. GSR No. 347(E) dated 30-3-93
8. GSR No. 58(E) dated 3-2-94
9. GSR No. 135(E) dated 15-3-1995.

